

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

देहरादून:दिनांक 19 दिसम्बर, 2014

विषय:- शीतलहरी के प्रकोप से बचाव हेतु सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने तथा निशुल्क कम्बल वितरण हेतु धनावंटन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जाड़े का मौसम आरम्भ होने के फलस्वरूप शीतलहरी के प्रकोप से गृहविहीन/निराश्रित/असहाय व्यक्तियों के बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने तथा निशुल्क कम्बल वितरण कराये जाने हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार कुल ₹ 49.00 लाख (₹ उन्चास लाख मात्र) की धनराशि आहरित कर व्यय हेतु निम्नलिखित शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- निराश्रितों को सम्भावित शीतलहरी के प्रकोप से बचाने हेतु आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में अलाव की व्यवस्था करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि अलाव जलाने का प्रयत्न ऐसे स्थानों पर किया जाए जहाँ अधिक से अधिक निर्धन एवं असहाय लोग, जनता खुले आसमान के नीचे निवास करते हो या एकत्र होते हो, उदाहरणार्थ धर्मशालाएँ, रैन बसेरा, मुसाफिर खाना, पड़ाव सराय, चौराहा, रेल/बस स्टेशन, सार्वजनिक स्थान। साथ ही निशुल्क कम्बल बँटने की व्यवस्था भी की जाए एवं इस हेतु कम्बल नियमानुसार क्रय किये जाए और उसमें गांधी आश्रम आदि संस्थाओं को वरीयता दी जाय।

3- शीतलहरी के प्रभाव से यदि किसी की मृत्यु हो जाती है तो उसकी सूचना एवं उसके सम्बन्ध में दी गई राहत सहायता आदि के विवरण तुरन्त ही रेडियोग्राम, तार अथवा फैंक्स द्वारा शासन को उपलब्ध कराये जाए और संलग्न प्रारूप में माहवार के मासिक विवरण शासन को 20 फरवरी, 2015 तक जब तक कि जाड़े का मौसम समाप्त होने की सम्भावना रहती है, नियमित रूप से भेजा जाना चाहिए। विवरण में जाड़े की स्थिति समाप्त होने का भी उल्लेख किया जाय।

4- यह भी देखा गया है कि समाचार पत्रों में शीतलहरी से मृत्यु की सूचना यदाकदा प्रकाशित होती है ऐसी सूचना के तथ्यों की जांच कर जानकारी तुरन्त की जाय और यदि तथ्य निराधार पाये जाय तो उनका खण्डन समाचार पत्रों में यथाशीघ्र प्रकाशित कराया जाय। शीतलहरी से उत्पन्न होने वाले प्रकोप से बचाव संबंधी अपनाये गये उपायों व किये गये राहत कार्यों की जानकारी समय-समय पर सार्वजनिक रूप से प्रसारित व प्रकाशित भी करायी जाय।

- 5- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 राज्य आपदा मोचन निधि (90- केन्द्र पोषित) आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-00-13- आपदा राहत निधि से व्यय-42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।
- 6- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा.सं. 187 NP/वि.अनु.-5/2014, दिनांक 19 दिसम्बर, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव

संख्या-5801/XVIII-(2)/2014-13(9)/2007, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डल।
- 4- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 5- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- राज्य सूचना अधिकारी, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(भास्करानन्द)
सचिव

शासनादेश संख्या-5801/XVIII-(2)/2014-13(9)/2007, दिनांक दिसम्बर, 2014
का संलग्नक

क्र०सं०	जनपद का नाम	स्वीकृत धनराशि (₹ लाख में)
1	धम्पावत	4.00
2	बागेश्वर	4.00
3	रुद्रप्रयाग	4.00
4	अल्मोड़ा	4.00
5	उत्तरकाशी	4.00
6	चमोली	4.00
7	नैनीताल	4.00
8	पिथौरागढ़	4.00
9	टिहरी गढ़वाल	4.00
10	पौड़ी गढ़वाल	4.00
11	ऊधमसिंहनगर	3.00
12	देहरादून	3.00
13	हरिद्वार	3.00
	कुल योग	49.00

(₹ सन्दास लाख मात्र)

S. S. S.
(भास्करानन्द)
सचिव